आईएसडीएसआई ग्लोबल कांफ्रेंस 2023

आईआईएम में चार दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सेमिनार का समापन

संवाददाता। रांची

आईआईएम रांची में चल रहे आईएसडीएसआई-जी अंतरराष्ट्रीय सेमिनार का समापन किया गया. यह सेमिनार पिछले चार महिनों से चल रहा है. इस चार दिनों तक चल रहे सेमिनार में कई जानकारों ने अपनी बातें रखीं. इस सेमिनार में आईआईएम. आईआईटी समेत 217 अन्य संस्थान शामिल रहे. इस सम्मेलन में विविध प्रकार की गतिविधियों का आयोजन किया गया. कार्यक्रम के पहले दिन एसईएम, उन्नत मॉडलिंग और अनुसंधान उत्पादकता जैसे विषयों पर 5 सत्र चला. समापन कार्यक्रम में उद्यमिता और भारतीय बी-स्कूलों के अंतरराष्ट्रीयकरण पर चर्चा हुई. समापन समारोह के मुख्य अतिथि आईआईएम अहमदाबाद के निदेशक प्रो. भरत भास्कर शामिल हुए. उन्होंने कहा कि शिक्षा संस्थानों को विश्व स्तर पर प्रतिस्पर्धी रहते हुए उद्योग जगत को मेक इन इंडिया के लिए आगे बढ़ने का मार्ग प्रशस्त करना चाहिए.

इस कार्यक्रम के दौरान प्रो. गौरव मराठे ने 26 दिसंबर 2024 को आईआईएम रांची में होने वाले हस्ताक्षर सम्मेलन की घोषणा की. कार्यक्रम का समापन डॉक्टरेट ट्रैक और शैक्षणिक श्रेणी में सबसे अच्छा पेपर पुरस्कारों में से प्रत्येक के तीन विजेताओं को पुरस्कार दिया गया.

Lagatar_30.12.2023_Pg. 07

आईआईएम रांची: 16वीं आईएसडीएसआई ग्लोबल कांफ्रेंस का समापन, 593 रिसर्च पेपर प्रस्तुत हुए

रांची| आईआईएम रांची में शनिवार को आईएसडीएसआई (इंटरनेशनल सोसाइटी फॉर डेटा साइंसेज एंड इनोवेशन) ग्लोबल कॉन्फ्रेंस 2023 के 16वें संस्करण का समापन हुआ। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में आईआईएम अहमदाबाद के डायरेक्टर प्रो. भरत भास्कर, आईआईएम रांची के डायरेक्टर दीपक कुमार श्रीवास्तव आदि उपस्थित रहे। इसके अंतिम दिन स्टार्टअप, उद्यमिता और भारतीय बी-स्कूलों के अंतरराष्ट्रीयकरण पर चर्चा हुई। इस कांफ्रेंस का विषय रीइमेजिनिंग ग्लोबलाइजेशन रखा गया था। वहीं कॉन्फ्रेंस के चार प्रमुख उप-विषयों में अंतरराष्ट्रीयकरण, सामाजिक प्रभाव, नवीनता और प्रभावशाली अनुसंधान शामिल रहा। कांफ्रेंस के तीन दिनों तक बौद्धिक चर्चा, पैनल सत्र, कार्यशाला हुए। इसमें कुल 593 रिसर्च पेपर प्रस्तुत हुए, जो आईआईएम, आईआईटी, प्रमुख बिजनेस स्कूल और केंद्रीय विश्वविद्यालयों के प्रबंधन विभाग सहित दुनिया भर के 1078 लेखकों द्वारा लिखी गई है।

Dainik Bhaskar_30.12.2023_Pg. 03

आइआइएम में आयोजित हुई अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी

जासं, रांची : आइआइएम रांची ने गवर्नेंस में निर्णय विज्ञान और नवाचार सम्मेलन पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी के 16वें संस्करण का समापन किया। जिसमें चार दिनों के बौद्धिक आदान-प्रदान और सहयोगात्मक जुड़ाव की मेजबानी की गई। जिसका विषय 'वैश्वीकरण की पुनर्कल्पना की शक्ति' था। सम्मेलन में सभी आइआइएम, आइआइटी और अन्य शीर्ष प्रबंधन संस्थानों सहित 217 प्रतिष्ठित संस्थानों के 1078 योगदानकर्ताओं द्वारा लिखित 593 प्रस्तुतियां प्राप्त हुईं। कार्यक्रम में एसईएम, उन्नत माडलिंग और अनुसंधान उत्पादकता जैसे विषयों पर 5 सत्रों का समायोजन किया गया। मुख्य अतिथि गोइजुएटा बिजनेस स्कूल, एमोरी युनिवर्सिटी के प्रो. जगदीश शेठ और एडवेंट इंटरनेशनल के आपरेटिंग पार्टनर डी. शिवकुमार थे।

Dainik Jagran_30.12.2023
_pg. 04

593 रिसर्च पेपर प्रस्तुत किए गए

- आईआईएम में आयोजित चार दिवसीय संगोष्ठी का हुआ समापन
- स्टार्टअप, उद्यमिता और भारतीय बी-स्कूलों के अंतर्राष्ट्रीयकरण पर चर्चा

रांची, वरीय संवाददाता। आईआईएम रांची में आईएसडीएसआई (इंटरनेशनल सोसाइटी फॉर डेटा साइंसेज एंड इनोवेशन) पर आयोजित अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी के 16वें संस्करण का समापन शुक्रवार को हुआ। चार दिनों में यहां के प्रतिभागियों ने रीइमेजिनिंग ग्लोबलाइजेशन विषय पर चर्चा की। संगोष्ठी में 593 रिसर्च पेपर प्रस्तुत हुए, जो आईआईएम, आईआईटी, प्रमुख बिजनेस स्कूल और केंद्रीय विश्वविद्यालयों के प्रबंधन विभाग सहित दुनिया भर के 1078 लेखकों द्वारा लिखी गई थी।

अंतिम दिन स्टार्टअप, उद्यमिता और भारतीय बी-स्कूलों के अंतर्राष्ट्रीयकरण पर चर्चा हुई। समापन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में आईआईएम अहमदाबाद के डायरेक्टर प्रो भरत भास्कर, आईआईएम रांची के डायरेक्टर दीपक कुमार श्रीवास्तव ने प्रतिभागियों को संबोधित किया।

Hindustan_30.12.2023_Pg. 07

शिक्षण संस्थान मेक इन इंडिया के लिए आगे बढ़ें : प्रो भास्कर

रांची. आइआइएम में रिमेजिनिंग गलोबलाइजेशन : द पावर ऑफ डिजिटल इंटर कनेक्शन इन ए डिग्लोबलाइजेशन वर्ल्ड विषय पर आयोजित चार दिवसीय 16वें आइएसडीएस आइ-वैश्विक सम्मेलन का शुक्रवार को समापन हो गया. अंतिम दिन स्टार्टअप, उद्यमिता और भारतीय बी-स्कूलों के अंतरराष्ट्रीयकरण पर चर्चा हुई. इस अवसर पर आइआइएम अहमदाबाद के निदेशक प्रो भरत भास्कर ने कहा कि शिक्षण संस्थानों को विश्व स्तर पर प्रतिस्पर्द्धा रखते हुए मेक इन इंडिया के लिए आगे बढ़ने का मार्ग प्रशस्त करना चाहिए. प्रो गौरव मराठे ने आइआइएम द्वारा 26 दिसंबर 2024 को होनेवाले सोशल इंपेक्ट सम्मेलन के आयोजन की घोषणा की. इसका विषय अनलिशिंग बिज़नस हार्मोनी : द प्रोफिटेबिलिटी, इंपैक्ट एंड सस्टेनिबिलिटी रखा गया है. समापन समारोह में सर्वश्रेष्ठ शोध पत्र प्रस्तुत करनेवाले तीन प्रतिभागियों को पुरस्कृत भी किया गया. प्रो राजेश जैन ने धन्यवाद ज्ञापन किया. इस अवसर पर आइआइएम रांची के निदेशक डॉ दीपक कुमार श्रीवास्तव सहित अन्य लोग उपस्थित थे.

- आइआइएम में चार दिवसीय सम्मेलन का समापन

Prabhat Khabar_30.12.2023_Pg. 13

रीइमेजिनिंग ग्लोबलाइजेशन पर आईआईएम में चर्चा

ग्लोबल कॉन्फ्रेंस

रांची, वरीय संवाददाता। आईआईएम रांची में बुधवार को इंटरनेशनल सोसाइटी फॉर डेटा साइंसेज एंड इनोवेशन (आईएसडीएसआई) के ग्लोबल कॉन्फ्रेंस का उद्घाटन हुआ। मुख्य अतिथि ऑपरेटिंग पार्टनर एडवेंट इंटरनेशनल डी शिवकुमार, वक्ता प्रो जगदीश एन सेठ, आईआईएम रांची के निदेशक प्रो दीपक कुमार श्रीवास्तव, आईआईएम नागपुर के निदेशक डॉ भीमराया मैत्री व आईएसडीएसआई सचिव रवि कुमार जैन ने इसका शुभारंभ किया। विषय रीइमेजिनिंग ग्लोबलाइजेशन है। चार प्रमुख उप विषयों में अंतरराष्ट्रीयकरण, सामाजिक प्रभाव, नवीनता और प्रभावशाली अनुसंधान शामिल हैं।

593 रिसर्च पेपर प्राप्त हुए: प्रो राजेश जैन ने बताया कि कॉन्फ्रेंस में तीन दिनों तक बौद्धिक चर्चा व पैनल सत्र का संचालन होगा। इसके लिए कुल 593 रिसर्च पेपर प्राप्त हुए हैं, जो आईआईएम, आईआईटी, प्रमुख बिजनेस स्कूल और केंद्रीय विश्वविद्यालयों के प्रबंधन विभाग सहित दुनिया भर के 1078 लेखकों द्वारा लिखी गई हैं। प्रो दीपक कुमार श्रीवास्तव ने आईआईएम रांची के बारे में जानकारी दी, भावी योजनाओं के बारे में भी बताया।

आईआईएम में बुधवार को इंटरनेशनल सोसाइटी फॉर डेटा साइंसेज एंड इनोवेशन के ग्लोबल कॉन्फ्रेंस के उद्घाटन के दौरान अतिथियों का स्वागत करते प्रो दीपक कुमार श्रीवास्तव।

Hindustan_28.12.2023_Pg. 04

आईआईएम रांची में आईएसडीएसआई ग्लोबल कांफ्रेंस में शामिल हुए एक्सपर्ट

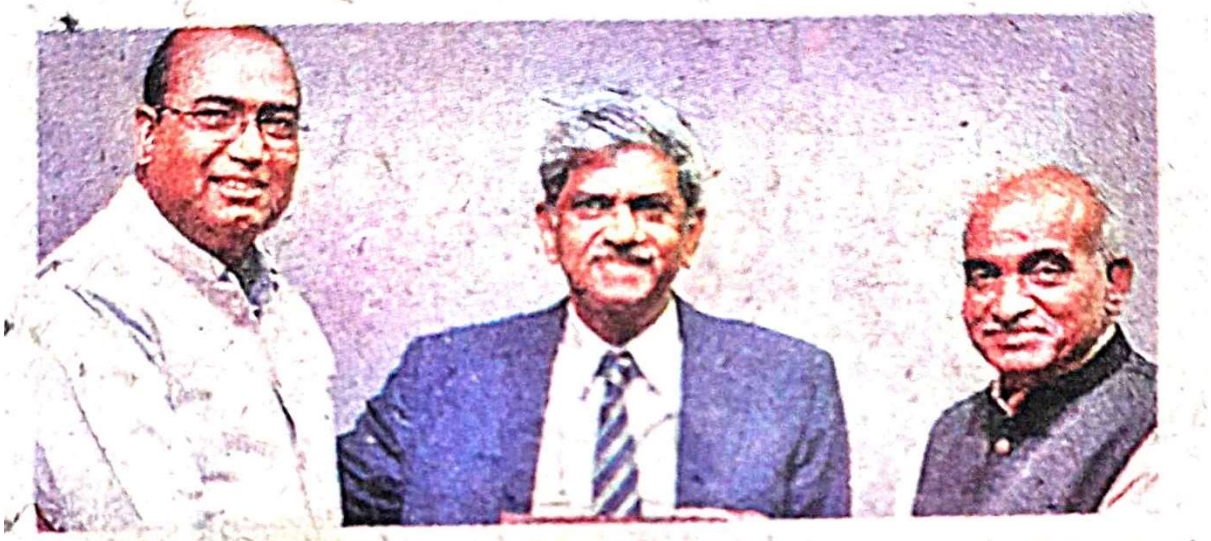

रांची | आईआईएम में आईएसडीएसआई ग्लोबल कॉन्फ्रेंस के 16वें संस्करण का उद्घाटन किया गया। इसका विषय रीइमेजिनिंग ग्लोबलाइजेशन रखा गया है। वहीं कॉन्फ्रेंस के चार प्रमुख उप-विषयों में अंतर्राष्ट्रीयकरण, सामाजिक प्रभाव, नवीनता व प्रभावशाली अनुसंधान शामिल है। मुख्य अतिथि के रूप में ओपरेटिंग पार्टनर एडवेंट इंटरनेशनल डी शिवकुमार, वक्ता प्रो. जगदीश एन सेठ, आईआईएम रांची के डायरेक्टर प्रो. दीपक कुमार श्रीवास्तव, आईआईएम नागपुर के डायरेक्टर डॉ. भीमराया मेत्री आदि उपस्थित रहे।

Dainik Bhaskar_28.12.2023_Pg. 04

ग्लोबल कांफ्रेंस 2023 का किया गया उद्घाटन

जासं, रांची : आइआइएम रांची में इंटरनेशनल सोसाइटी फार डेटा साइंसेज एंड इनोवेशन ग्लोबल कांफ्रेंस 2023 के 16वें संस्करण का अनावरण और उद्घाटन किया गया। जिसका विषय वैश्वीकरण की दुनिया में डिजिटल इंटरकनेक्शन की शक्ति...था। सम्मेलन में देश-विदेश से आए विद्वानों, शोधकर्ताओं, चिकित्सकों और नीति निर्माताओं ने अपने अनुभव साझा किए। प्रो. राजेश जैन ने कहा कि सम्मेलन में कुल 593 प्रस्तुतियां प्राप्त हुईं। जो आइआइएम, आइआइटी, अग्रणी प्रमुख बिजनेस स्कूल और केंद्रीय विवि के प्रबंधन विभाग सहित दुनिया भर के 1078 लेखकों द्वारा लिखी गई हैं।

Dainik Jagran_28.12.2023_Pg. 04

आइआइएम में कॉन्फ्रेंस

देश के भारतीय बी-स्कूलों को हो रहे कई फायदे : शिवकुमार

रांची. एडवेंट इंटरनेशनल के ऑपरेटिंग पार्टनर डी शिवकुमार ने कहा है कि वैश्वीकरण के दौर में भारतीय बी-स्कूलों को कई फायदे हो रहे हैं. वैश्विक भाषा के रूप में अंग्रेजी भारतीय बिजनेस स्कूलों के लिए फायदेमंद साबित हो रही है. श्री शिवकुमार बुधवार को आइआइएम रांची में एकेडमिक एक्सलेंस के तहत ग्लोबल कॉन्फ्रेंस-2023 के 16वें संस्करण में बोल रहे थे. गोइजुएटा बिजनस स्कूल एमोरी यूनिवर्सिटी के प्रो जगदीश सेठ ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय व्यापार की बदलती गतिशीलता के लिए व्यवसायों के संचालन के तरीके की पुनर्कल्पना जरूरी है. आइआइएम रांची के निदेशक प्रो दीपक कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि एकेडमिक एक्सीलेंस के लिए संस्थान ने 2030 को ध्यान में रख कर रणनीति तैयार की है. मौके पर आइआइएम नागपुर के निदेशक प्रो भीमाराय मेत्री, प्रो रवि कुमार जैन, प्रो राजेश जैन, प्रो अरिंद्रनाथ मिश्रा ने भी विचार रखे. कार्यक्रम में आइएसडीएसआइ ग्लोबल कॉन्फ्रेंस-2023 : बुक ऑफ एबस्ट्रेक्ट पुस्तक का विमोचन भी किया गया.

Prabhat Khabar_28.12.2023_Pg. 09

IIM में कांफ्रेंस आज से

रांची | आईआईएम रांची की मेजबानी में 16वीं आईएसडीएसआई ग्लोबल कांफ्रेंस का आयोजन किया जा रहा है। जो हाइब्रिड मोड पर आयोजित किया जाएगा। यह कांफ्रेंस 26 दिसंबर से 29 दिसंबर 2023 तक चलेगा। इसमें विभिन्न विषयों पर चर्चा की जाएंगी।

Dainik Bhaskar, 26.12.2023, Page3

आईआईएम रांची में वैश्विक सम्मेलन आज से

रांची। आईआईएम रांची में आईएसडीएसआई वैश्विक सम्मेलन की शुरुआत मंगलवार से होने जा रही है। 29 दिसंबर तक होने वाला सम्मेलन ऑनलाइन मोड पर होगा। इस ग्लोबल कॉन्फ्रेंस में विद्वान, शोधकर्ता, चिकित्सक और नीति निर्माता विचार साझा करेंगे। सम्मेलन केंद्रीय विषय वैश्वीकरण की पुनर्कल्पना : एक विवैश्वीकरण वाली दुनिया में डिजिटल इंटर कनेक्शन की शक्ति पर केंद्रित होगा।

Hindustan, 26.12.2023, Page5

चार दिवसीय सम्मेलन 26 से, वैश्वीकरण पर होगी चर्चा

जासं, रांची : आइआइएम रांची ने 16वें आइएसडीएसआइ वैश्विक सम्मेलन 2023 की मेजबानी की घोषणा की है। संस्थान के विशाल नए परिसर में 26 से 29 दिसंबर तक यह आयोजन होगा। सम्मेलन का विषय वैश्वीकरण की पुनर्कल्पना, एक वैश्वीकरण वाली दुनिया में डिजिटल इंटरकनेक्शन की शक्ति...है। जहां वैश्विक संवाद को बढ़ावा दिया जाएगा। यह आयोजन शोधकर्ताओं, चिकित्सकों और नीति निर्माताओं के लिए एक महत्वपूर्ण मंच बनाने के लिए होगा, जो अंतर्दृष्टि और विचारों को साझा करने का माध्यम बनेगा। सम्मेलन के अध्यक्ष प्रो. राजेश जैन ने कहा हमें शिक्षाविदों, उद्योग जगत के नेताओं, नीति निर्माताओं सहित दुनिया भर के 1000 से अधिक लेखकों से लगभग 580 प्रस्तुतियां प्राप्त हुईं हैं। आयोजन में आइआइएम, आइआइटी, केंद्रीय विश्वविद्यालयों, अग्रणी निजी बी-स्कूलों और अन्य वैश्विक शैक्षणिक संस्थानों के विशेषज्ञ शामिल होंगे। वहीं आइआइएम रांची के निदेशक प्रो. दीपक कुमार श्रीवास्तव ने कहा डीग्लोबलाइजिंग पर्यावरण की जटिलताओं को प्रभावी तरीके से सामने लाने के लिए

आइआइएम रांची में हाइब्रिड मोड़ में 16वें इंटरनेशनल सोसाइटी फार डेटा साइंसेज एंड इनोवेशन ग्लोबल कांफ्रेंस का होगा आयोजन

बहस करना महत्वपूर्ण है। कहा कि आइआइएम रांची एक ऐसा वातावरण विकसित करने के लिए समर्पित है जो जिज्ञासा, नवीनता और विचारों के आदान-प्रदान को बढ़ावा देता है। उन्होंने कहा कि विचारों के वास्तविक वैश्विक आदान-प्रदान को बढ़ावा देते हुए प्रतिभागी व्यक्तिगत और आभासी दोनों तरह से जुड़ सकते हैं।

चार दिनों तक चलेगा सम्मेलन : चार दिनों तक चलने वाले इस कार्यक्रम के पहले दिन यानी 26 दिसंबर को व्यापक चर्चा के लिए माहौल तैयार करते हुए सम्मेलन की शुरुआत के लिए पांच डाक्टरेट कार्यशालाएं निर्धारित की गई हैं। 27 दिसंबर को उद्घाटन सत्र के साथ एक निदेशक पैनल भी होगा जो दो-तरफा अंतर्राष्ट्रीयकरण, भारत को उच्च शिक्षा के लिए एक वैश्विक केंद्र बनाना...विषय पर केंद्रित होगा। साथ ही सतत विकास के लिए डिजिटल इनोवेशन स्ट्रैटेजीज... विषय पर चर्चा होगी।

28 दिसंबर को पत्रिकाओं में प्रकाशन पर कार्यशालाएं और विकास पर चर्चा शामिल है। केस स्टडी कार्यशाला और जनजातीय क्षेत्रों में महिला उद्यमिता पर एक सत्र का आयोजन होगा। सम्मेलन का समापन स्टार्टअप और उद्यमिता पर चर्चा के साथ होगी।

दो दिवसीय संस्कृत संभाषण वर्ग का समापन, 65 प्रशिक्षणार्थियों ने लिया हिस्सा

जासं, रांची : स्वर्णरेखा कालेज आफ फार्मेसी में संस्कृत भारती रांची द्वारा आयोजित दो दिवसीय संस्कृत संभाषण वर्ग का समापन कार्यक्रम हुआ। इसमें लगभग 65 प्रशिक्षणार्थियों ने भाग लिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे संस्कृत भारती के महानगर अध्यक्ष डा. प्रकाश सिंह ने कहा कि ज्ञान की सारी विधाओं में हमारा देश अग्रणी है और यह ज्ञान संस्कृत में ही निहित है। भारतीय ज्ञान परंपरा द्वारा प्राप्त ज्ञान के द्वारा ही हमारा देश चांद पर सफल आरोहण कर सका है। मुख्य वक्ता जगदम्बा प्रसाद ने कहा कि संस्कृत के उत्थान से ही राष्ट्र का उत्थान हो सकता है। सरल संस्कृत संभाषण के द्वारा ही जन सामान्य में संस्कृत का विस्तार किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि बाल-केंद्र, संभाषण वर्ग, शिक्षक प्रशिक्षण वर्ग तथा प्रगत प्रशिक्षण वर्ग के माध्यम से संस्कृत भारती के द्वारा संस्कृत का विस्तार किया जा रहा है। संचालन प्रवीण कुमार, अतिथि परिचय राहुल कुमार तथा धन्यवाद ज्ञापन पृथ्वीराज सिंह ने किया। डा. चंद्र माधव सिंह, रमेश कुमार, अमिताभ कुमार, आशीष कुमार, ज्योत्सना कुमारी, तनु सिंह, अंजली कुमारी उपस्थित रहे।

Dainik Jagran, 26.12.2023, Page4